Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

13 मई 2026

वर्ष - 04, अंक - 02 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

जमानत याचिकाओं के लिए नोटिस देना जरूरी नहीं - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट (SC) ने सोमवार को कहा कि हाई कोर्ट्स में सालों से हजारों जमानत याचिकाओं का लंबित रहना आजादी के कीमती अधिकार का उल्लंघन है। कोर्ट ने आदेश दिया कि जमानत याचिकाओं पर नोटिस जारी करने की जरूरत को खत्म किया जा सकता है, बशर्ते याचिका की एक कॉपी पहले से ही अभियोजन पक्ष को दे दी जाए, ताकि वे सुनवाई के पहले ही दिन अपना जवाब दे सकें।

SC ने आगे कहा कि, 'अभी कोर्ट्स में आम तौर पर यह तरीका है कि वे आरोपी की जमानत याचिका पर नोटिस जारी करते हैं और राज्य सरकार, जांच एजेंसी या संबंधित अभियोजन पक्ष से जवाब मांगते हैं। जवाब कई हफ्तों बाद दाखिल होता है, जिससे किसी आपराधिक मामले में न्यायिक या पुलिस हिरासत से रिहाई की याचिकाओं के निपटारे में देरी होती है। आरोपी की आजादी की रक्षा का मतलब यह नहीं है कि, पीड़ित के अधिकारों की अनदेखी की जाए।

CJI ने मद्रास हाई कोर्ट की तारीफ की – इसके साथ ही मद्रास हाई कोर्ट को CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने जमानत याचिकाओं पर फैसला लेने में सबसे कम समय लेने के लिए तारीफ की। हालांकि इलाहाबाद हाई कोर्ट उन कोर्ट्स में से है जहां जमानत याचिकाएं बहुत ज्यादा लंबित हैं, फिर भी बेंच ने इस बात की तारीफ़ की कि वहां लंबित मामलों की संख्या भी बहुत ज्यादा है, और जजों को रोजाना लगभग 200 जमानत याचिकाओं की सुनवाई करनी पड़ती है। इस बात पर जोर देते हुए कि जमानत याचिकाओं की तेजी से सुनवाई अपराध के पीड़ितों के अधिकारों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए, बेंच ने कई निर्देश जारी किए। इनमें एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम के जरिए उन जमानत याचिकाओं को, जिन पर पहले ही सुनवाई हो चुकी है, हर पखवाड़े कम से कम एक बार सुनवाई के लिए अपने आप दोबारा लिस्ट करना भी शामिल है।

जमानत याचिका की सुनवाई में तेजी लाने के निर्देश – जमानत याचिका की सुनवाई में तेजी लाने के लिए बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट्स एक ऐसा तरीका विकसित करने के लिए कदम उठाए। जिससे सरकार, जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष को सुनवाई टालने की मांग करने से रोका जा सके। ऐसा करके उन्हें, संविधान द्वारा गारंटीकृत सबसे कीमती मौलिक अधिकार की रक्षा करने के कोर्ट के गंभीर कर्तव्य की याद दिलाई गई।

SC ने पाया कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस (NDPS) एक्ट के तहत कई मामलों में, फोरेंसिक प्रयोगशाला की रिपोर्टें तेजी से न मिलने के कारण मुकदमे में देरी हुई। CJI की अगुवाई वाली बेंच ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से कहा कि वे कोर्ट के मामलों में FSL रिपोर्टें तेजी से हासिल करने के लिए सरकारों के साथ मिलकर काम करें। बेंच ने हाई कोर्ट्स को सुझाव दिया कि वे एक ऐसा पोर्टल बनाएं, जिस पर उनके समक्ष लंबित प्रत्येक जमानत याचिका की स्थिति उपलब्ध हो; ताकि आरोपी, अभियोजन पक्ष और अदालत, इन याचिकाओं के शीघ्र निपटारे के लिए सुधारात्मक कदम उठा सकें।

लाड़ली बहनों के लिए बड़ी खुशखबरी ! आज खातों में आएगी 36वीं किस्त

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को मध्यप्रदेश की करोड़ों महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मान के लिये नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भूमिका मजबूत हुई है।

चड्डी-बनियान पहनकर ऑफिस में बैठा प्रबंधक मंदसौर में गेहूं खरीदी केंद्र का वीडियो सामने आया

मंदसौर। जिले के शामगढ़ क्षेत्र स्थित ग्राम चंदवासा के गेहूं खरीदी केंद्र पर साख सहकारी संस्था के प्रबंधक को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे कार्यालय के अंदर चड्डी-बनियान में बैठे दिखाई दे रहे थे। इस मामले का संज्ञान लेते हुए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सुनील कच्छारा ने तत्काल प्रभाव से यह कार्रवाई की है।

वीडियो में अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल – चंदवासा बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था के प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा का यह वीडियो कुछ दिन पुराना बताया जा रहा है, जिसे किसी किसान ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किया था। इस वीडियो में कार्यालय में बैठे प्रबंधक के अलावा एक अन्य व्यक्ति द्वारा गाली-गलौज और अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए भी सुना जा सकता है।

प्रबंधक ने दी चींटियों के काटने की सफाई – मामला सामने आने के बाद प्रबंधक मनोज शर्मा ने अपना पक्ष रखते हुए एक वीडियो जारी किया। उन्होंने इसे अपने खिलाफ साजिश बताया। अपनी सफाई में उन्होंने कहा कि अवकाश होने के बावजूद वे काम के लिए कार्यालय पहुंचे थे। अत्यधिक गर्मी होने और शरीर पर चींटियों के काटने के कारण वे इस स्थिति में बैठे थे। हालांकि, बाद में उन्होंने अपने इस आचरण के लिए माफी भी मांगी।

लापरवाही पर निलंबन, करण सिंह रावत को अतिरिक्त प्रभार – जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अनुसार, उपार्जन कार्य में पारदर्शिता और सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर मनोज शर्मा को निलंबित करते हुए उनका मुख्यालय शाखा सुवासरा निर्धारित किया गया है। साथ ही सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

गेहूं खरीदी का कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए शामगढ़ शाखा के संस्था प्रबंधक करण सिंह रावत को चंदवासा संस्था का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया है। वे अपने वर्तमान दायित्वों के साथ चंदवासा संस्था का कार्य भी संभालेंगे।

सराफा बाजार में एक ही दिन में चांदी साढ़े सात हजार बढ़ी

इंदौर। मिडिल ईस्ट संकट के बीच पीएम मोदी ने देश की जनता से आग्रह किया है कि अगले एक साल तक सोने की खरीद से बचें। वहीं सरकार खुद अंतरराष्ट्रीय बाजार से सोने की धड़ाधड़ खरीद रही है। पिछले छह महीनों में आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 104.2 टन बढ़ा है। मोटे तौर पर तीन सालों के भीतर आरबीआई ने 280 टन सोना खरीदा है। इस वक्त भारत के पास 880 टन सोना रिजर्व है। भारत ही नहीं दुनिया के देशों के सेंट्रल बैंक भी इसी अवधि में ही अधिकाधिक सोना जमा कर रहे हैं। पड़ोसी चीन समेत यूरोपीय देश, ब्राजील, पोलैंड जैसे देश भी सोना रिजर्व बढ़ा रहे हैं। जुलाई 2025-जनवरी 2026 के बीच बैंक ऑफ फ्रांस ने न्यूयॉर्क स्थित फेडरल रिजर्व में सुरक्षित रखा अपना बकाया 129 टन सोना वापस ले लिया है। इस कदम के साथ ही फ्रांस का कुल करीब 2,437 टन सोना अब पेरिस के सेंट्रल बैंक के पास पहुंच गया है। प्रत्येक देश सोने का भंडार बढ़ाते हुए उसे अबने कब्जे में रखने की कोशिश में है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में निवेशकों की मजबूत डिमांड के कारण दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी का वातावरण जारी रही। कामेक्स पर सोना वायदा 49 डालर बढ़कर 4700 डालर प्रति औंस और चांदी वायदा 384 सेंट बढ़कर 84.06 डालर प्रति औंस पर कारोबार करती देखी गई। इसके चलते भारतीय बाजारों में भी बुधवार को दोनों धातुओं की कीमतों में बढ़त जारी रही। इंदौर में सोना केडबरी 600 रुपये बढ़कर 151400 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी चौरसा 7500 रुपये बढ़कर 257000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। बाजार में फिलहाल ग्राहकी बेहद सीमित देखने को मिली है।

मप्र कैबिनेट निर्णय : प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण के लिए 29 हजार 540 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

नीमच के किसानों की चमकेगी किस्मत : 163.95 करोड़ की खुमानसिंह शिवाजी सिंचाई परियोजना को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल/नीमच । मध्य प्रदेश कैबिनेट की आज हुई महत्वपूर्ण बैठक में नीमच जिले के लिए विकास का एक बड़ा द्वार खुला है। राज्य सरकार ने नीमच जिले की बहुप्रतीक्षित खुमानसिंह शिवाजी जलाशय (ठिकरिया तालाब) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के निर्माण हेतु 163.95 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि को प्रशासकीय स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लिए गए इस निर्णय से नीमच तहसील के कृषि परिदृश्य में बड़ा सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से नीमच तहसील के अंतर्गत आने वाले 22 गांवों के किसानों को सीधा लाभ पहुँचेगा। आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई तकनीक पर आधारित इस योजना से क्षेत्र की कुल 5,200 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की सुनिश्चित सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पानी पहुँचने से न केवल पानी की बर्बादी रुकेगी, बल्कि कम लागत में किसानों की फसलों की पैदावार भी बढ़ेगी। कैबिनेट के इस फैसले ने नीमच के ग्रामीण अंचलों में समृद्धि की नई उम्मीद जगा दी है।

प्रदेश में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों एवं योजनाओं के परीक्षण और अनुमोदन के लिए 15 हजार 598 करोड़ रुपये और शहरी व नगरीय मार्गों के कायाकल्प तथा सुदृढ़ीकरण के लिए 6,900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चिकित्सा क्षेत्र के विस्तार के लिए बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई।

मनासा कोर्ट के बाहर दो पक्षों में पत्थरबाजी

नीमच। जिले के मनासा नगर में कोर्ट परिसर के बाहर सोमवार शाम दो पक्षों के बीच वैवाहिक विवाद को लेकर जमकर पत्थरबाजी हुई। घटना से मुख्य मार्ग पर अफरा-तफरी मच गई। दहशत के कारण दुकानदारों ने अपने शटर गिरा दिए और राहगीर जान बचाकर भागते नजर आए।

घटना का एक वीडियो देर रात सामने आया है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पत्थर चलाते दिख रहे हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें से चार को जेल भेज दिया गया है।

ससुराल पक्ष बहु को रखने से कर था मना - जानकारी के अनुसार, विवाद ग्राम मालाहेड़ा निवासी एक युवती के विवाह से जुड़ा है, जो चार साल पहले सावन कुंड में हुआ था। ससुराल पक्ष युवती को अपने साथ ले जाने को तैयार नहीं था। इसी विवाद के सिलसिले में सोमवार शाम युवती का मामा मनासा कोर्ट पहुंचा था, जहां दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी पत्थरबाजी में बदल गई।

पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया – सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क पर उत्पात मचा रहे लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने शांति भंग करने के आरोप में जयपाल, प्रताप, बंशीलाल, मुकेश, मदनलाल, प्रहलाद और जगदीश (सभी बंजारा समाज के विभिन्न ग्रामों के निवासी) को गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया।

मनासा एसडीएम किरण आंजना ने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर शांति भंग करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि सात लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से चार को जेल भेजा गया है।

दोनों पक्षों पर क्रॉस एफआईआर दर्ज – पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायतों पर क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। पहले पक्ष की कैलाशी बाई (सावन कुंड) की रिपोर्ट पर पप्पू, गोपी, सोनू, सरवन और नाहर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

वहीं, दूसरे पक्ष के सोनू बंजारा (मालाहेड़ा) की शिकायत पर रवि, इंदर सिंह, कैलाशी बाई और अर्जुन के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ। एसडीएम न्यायालय के आदेश पर मुकेश पिता जोर सिंह बंजारा (निवासी दाता), प्रहलाद पिता अमर सिंह बंजारा (निवासी काना की बारात), जगदीश पिता रूपा बंजारा (निवासी साकरिया खेड़ी) और मदनलाल पिता मांगीलाल बंजारा (निवासी सावन कुंड) को जेल भेज दिया गया है, जबकि शेष तीन को रिहा कर दिया गया।

अब जनता तय करेगी नीमच की स्वच्छता रैंकिंग : दें फीडबैक, शहर को नंबर-1 बनाने में निभाएं अपनी जिम्मेदारी

"दो मिनट का फीडबैक बदल सकता है शहर की तस्वीर" - नपा अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नागरिकों की राय बनेगी सबसे बड़ी ताकत, नगर पालिका ने शुरू किया विशेष अभियान

नीमच। शहर की स्वच्छता अब केवल सरकारी दावों या अधिकारियों की रिपोर्ट से नहीं आंकी जाएगी, बल्कि इस बार आम नागरिकों की राय ही तय करेगी कि शहर सफाई के मामले में कितना बेहतर है और कहां सुधार की जरूरत है। केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में इस बार "सिटीजन फीडबैक" को सबसे अधिक महत्व दिया गया है। यही कारण है कि नीमच जिले के सभी शहरी निकायों ने अब जनता को सीधे इस अभियान से जोड़ने की तैयारी तेज कर दी है।नगर पालिका परिषद नीमच सहित जिले की 11 नगर पंचायतों में अब QR कोड आधारित फीडबैक अभियान शुरू किया जा रहा है। बाजारों, स्कूलों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख चौराहों पर QR कोड लगाए जाएंगे ताकि लोग मोबाइल से स्कैन कर सीधे अपना फीडबैक दे सकें।इस अभियान का उद्देश्य केवल सर्वे में अंक बढ़ाना नहीं, बल्कि शहर की वास्तविक स्थिति को सामने लाना है। नगर निकायों का मानना है कि जनता ही शहर की असली परीक्षक है और उन्हीं के अनुभव से तय होगा कि सफाई व्यवस्था जमीन पर कितनी प्रभावी है।

इस बार बढ़े सवाल, बढ़ेगी जवाबदेही - स्वच्छ सर्वेक्षण में पिछले वर्ष नागरिकों से 10 सवाल पूछे गए थे, लेकिन इस बार प्रश्नों की संख्या बढ़ाकर 13 कर दी गई है।

इन सवालों के माध्यम से शहर की सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, प्लास्टिक कचरे पर नियंत्रण, गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण और नगर निकायों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया जाएगा।

"स्वच्छता सिर्फ अभियान नहीं, हमारी जिम्मेदारी है" - स्वाति चोपड़ा

नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने शहरवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे शहर की सामूहिक जवाबदेही हैउन्होंने कहा कि नीमच को स्वच्छता के पैमाने पर नई ऊंचाई तक पहुंचाने के लिए नगर पालिका की टीम लगातार कार्य कर रही है। शहर में नियमित सफाई के साथ रात्रिकालीन सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है।सड़कों की सॉलिड क्लीनिंग, धूल-मिट्टी कम करने के प्रयास, शहर में पेंटिंग कार्य और सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि शहर का वातावरण स्वच्छ और सुंदर बन सके।उन्होंने कहा कि यदि शहरवासियों का सकारात्मक फीडबैक जाएगा तो स्वच्छता रैंकिंग में नीमच बेहतर स्थान प्राप्त कर सकता है, जो पूरे शहर के लिए गौरव का विषय होगा।

अवैध खनिज परिवहन पर जिला प्रशासन सख्त, चार वाहन मालिकों पर कुल 7 लाख से अधिक का जुर्माना अधिरोपित

नीमच । कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा (IAS) के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चार अलग-अलग प्रकरणों में वाहन मालिकों पर कुल 7 लाख 43 हजार 9 रूपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

प्रकरण क्रमांक 0019/अ-67/2026-27: दिनांक 06.04.2026 को पुलिस थाना जावद द्वारा जप्त ट्राला क्रमांक RJ09GD7650 में बिना रॉयल्टी मिट्टी का परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक दुर्गाशंकर पिता श्यामलाल अहीर, निवासी बावल पर 4,15,000 रूपये की शास्ति लगाई गई। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 15,000 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 4,00,000 रूपये शामिल है।

प्रकरण क्रमांक 0017/अ-67/2026-27: दिनांक 26.04.2026 को ग्राम खोर में जप्त ट्राला क्रमांक RJ09GD9736 में रॉयल्टी से अधिक मात्रा में मिट्टी परिवहन पर वाहन मालिक विकास पिता रोशनलाल जैन, निवासी केशरपुरा पर 62,259 रूपये का जुर्माना लगाया गया। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 3,000 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 59,259 रूपये शामिल है।

प्रकरण क्रमांक 0018/अ-67/2026-27: दिनांक 19.04.2026 को ग्राम खोर में जप्त डम्पर क्रमांक RJ09GE1828 में बिना रॉयल्टी मिट्टी परिवहन पर वाहन मालिक हरिश पिता घिसालाल माली, निवासी सुवाखेड़ा पर 2,13,500 रूपये की शास्ति अधिरोपित की गई। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 13,500 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 2,00,000 रूपये शामिल है।

प्रकरण क्रमांक 0016/अ-67/2026-27: दिनांक 19.04.2026 को ग्राम नयागांव में जप्त डम्पर क्रमांक RJ09GB3961 में रॉयल्टी से अधिक मुरूम परिवहन पर वाहन मालिक मदनलाल पिता निर्भय धाकड़, निवासी रूपारेल पर 52,250 रूपये का अर्थदंड लगाया गया। इसमें रॉयल्टी का 15 गुना 2,250 रूपये एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 50,000 रूपये शामिल है।

कलेक्टर का सख्त आदेशः सभी प्रकरणों में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई है। कलेक्टर द्वारा खनि अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि अधिरोपित जुर्माना राशि 15 दिवस के अन्दर शासकीय कोष में जमा होने की पुष्टि पर ही जप्तशुदा वाहन मुक्त किए जाएं।

यदि अनावेदकों द्वारा निश्चित समयावधि में जुर्माना राशि जमा नहीं कराई गई तो उनके विरुद्ध भू-राजस्व संहिता की धारा में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही कर भू-राजस्व के समान वसूली की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज उत्खनन/परिवहन के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, 130 आवेदकों की सुनीं समस्याएं

नीमच। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 130 आवेदकों की समस्याएं सुनीं एवं उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। सेमली चंद्रावत तालाब की भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देशः- जनसुनवाई में ग्राम सेमली चंदावत के बाबुकुंवर व ग्रामीणों ने गांव के सर्वे नम्बर 635/2 पर 2 हेक्टेयर तालाब की जमीन का सीमांकन करवाकर अवैध अतिक्रमण हटवाने संबंधी आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार नीमच ग्रामीण को मंगलवार को ही राजस्व टीम भेजकर सीमांकन करवाकर अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए।

बीमार मजदूर को रेडक्रॉस से मदद के निर्देशःजनसुनवाई में मातारूण्डी मनासा के बीमार मजदूर सत्यनारायण ने आर्थिक स्थिति कमजोर बताते हुए परिवार के भरण-पोषण के लिए आर्थिक सहायता का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने सत्यनारायण को रेडक्रॉस नीमच से आर्थिक मदद प्रदान करने के निर्देश रेडक्रॉस प्रभारी को दिए हैं। नवलपुरा में रास्ता खुलवाने के निर्देशःनवलपुरा के ग्रामीणों ने रूढ़िगत आम रास्ते को कुछ ग्रामीणों द्वारा अवरुद्ध करने और रास्ता खुलवाने के अनुरोध पर कलेक्टर ने तहसीलदार को मौके पर टीम भेजकर अविलम्ब रास्ता खुलवाने के निर्देश दिए हैं। अन्य आवेदनः जनसुनवाई में हतुनिया के राधेश्याम धनगर, मालखेड़ा प्रभुलाल, ज्ञानमंदिर महाविद्यालय नीमच के सेवानिवृत्त ग्रंथपाल ओमप्रकाश, जावद की रूकमणबाई, प्रतापपुरा कुकडेश्वर के प्रकाशचंद्र, राजकुमार, सरवानिया बोर के नरेन्द्र, सरवानिया महाराज की जानीबाई, नरसिंहपुरा के तुलसीराम, भादवामाता के सुरेश, दुरगपुरा के कालूलाल, सीरखेड़ा के बहादुरसिंह ने भी अपने आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह कुकडेश्वर वार्ड नम्बर 13 के राकेश, बरथून के लक्ष्मणसिंह, ग्वालटोली नीमच की सोमा पोद्दार, जावद की शांतिबाई, बांगरेड़ के नरसिंह, मोया के तुलसीराम, कड़ी आंत्री के विष्णु, बोरदिया कला के कचरूलाल, मनासा के संजय, अरनिया बोराना के भगवानसिंह, बरूखेड़ा के जगदीश, केलुखेड़ा के समरथ मेघवाल, देवरी खवासा के बाबूलाल, अम्बेडकर कॉलोनी नीमच की निर्मला ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

राज कुमार सिन्हा

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए।

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोड़ते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता

के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है। विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए 'सर्वसमावेशी' छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोड़ा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है।

डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बडे अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरूआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए। विजय की लोकप्रियता और उसकी दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पार्टी को मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियां और विश्वसनीय राजनीतिक नेतृत्व कितना विकसित कर पाते हैं।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बंगाल का 'रक्त-चरित्र'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्तचरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक अप्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्तचरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्तरंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो 'रक्तबीज' कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान 'संस्थानगत' आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया।

चिंतन-मनन

वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढ़ियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढ़ियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत् पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

लाठी-तलवार के दम पर बेटियों ने दिखाया शौर्य

भारत विकास परिषद् के आत्मरक्षा शिविर का समापन, 150 से अधिक बालिकाओं ने लिया प्रशिक्षण

नीमच 10 मई (निप्र)। सेवा और संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी भारत विकास परिषद्, शाखा नीमच द्वारा आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क आत्मरक्षा एवं खेलकूद शिविर का सीएसवी अग्रोहा भवन में भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में नगर की बालिकाओं ने लाठी और तलवार संचालन का हैरतअंगेज प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मीडिया प्रभारी मनोज माहेश्वरी ने बताया कि शिविर के अंतिम दिन 8 से 19 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं ने उज्जैन की प्रसिद्ध आत्मरक्षा प्रशिक्षिका पूजा चित्तोड़ा और उनकी सहयोगी समृद्धि चित्तोड़ा, कनिष्का जायसवाल एवं सलोनी कुशवाह के मार्गदर्शन में सीखे गए आत्मरक्षा कौशल का प्रदर्शन किया। सफेद कुर्ते और नारंगी दुपट्टे में सजी बालिकाओं ने पारंपरिक शस्त्र संचालन करते हुए लाठी और तलवार के जरिए साहस और अनुशासन की अद्भुत मिसाल पेश की।

ऐतिहासिक किरदारों में नजर आईं बेटियां - समारोह की विशेष आकर्षण यह रही कि कई बालिकाएं ऐतिहासिक और प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के रूप में मंच पर पहुंचीं। नायशा खंडेलवाल ने महारानी लक्ष्मीबाई, स्वस्ति धनोतिया ने स्वामी विवेकानंद, मनस्वी राज चंद्रावत ने छत्रपति शिवाजी और आयुषी अग्रवाल ने अहिल्याबाई का रूप धारण कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्रशिक्षण सहयोगी बालिकाओं के शस्त्र संचालन प्रदर्शन से प्रेरित होकर परिषद् की वरिष्ठ सदस्या सुचित्रा दिलीप सिंह परिहार ने भी तलवार संचालन का साहसिक प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थितजनों ने जमकर सराहना की।

प्रतिभागियों को दिए प्रशंसा पत्र और लाठियां - शिविर में शामिल सभी बालिकाओं को परिषद् परिवार की ओर से प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। साथ ही आत्मविश्वास और निरंतर अभ्यास के उद्देश्य से प्रत्येक प्रशिक्षु को एक-एक लाठी भेंट की गई। मात्र तीन दिनों में प्रशिक्षण में दक्षता हासिल करने वाली 25 बालिकाओं को विशेष उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। सायं 5 बजे आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि निर्मल जैन "रारा" ने कहा कि वर्तमान समय में बेटियों का आत्मनिर्भर और सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने परिषद् के इस प्रयास को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

बड़ी संख्या में मौजूद रहे गणमान्य नागरिक - कार्यक्रम में रीजनल सचिव संपर्क प्रदीप चोपड़ा, प्रांतीय संरक्षक सुनील सिंघल, प्रांतीय उपाध्यक्ष अशोक मंगल, नगर समन्वयक राजेश गट्टानी, सुचित्रा परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षु बालिकाओं के परिजन, गणमान्य नागरिक, परिषद् सदस्य एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। भारत माता और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अतिथियों का स्वागत दुपट्टे और मोती की माला पहनाकर किया गया।

परिषद् ने बताया बेटियों के आत्मविश्वास का अभियान - परिषद् अध्यक्ष पुरुषोत्तम गुप्ता ने कहा कि गर्मी की छुट्टियों का सदुपयोग करते हुए अभिभावकों ने बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया, जो नीमच की बेटियों के आत्मविश्वास को नई दिशा देगा। शिविर संयोजिका मीना जायसवाल ने बताया कि पूर्व पंजीयन और सभी सत्रों में अनिवार्य सहभागिता के कारण छात्राओं ने अनुशासित प्रशिक्षण का लाभ उठाया। यह शिविर शारीरिक सशक्तिकरण के साथ मानसिक मजबूती की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी सिद्ध हुआ। महिला प्रमुख सुनीता चौधरी ने प्रशिक्षिका पूजा चित्तोड़ा का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन से बालिकाएं शस्त्र संचालन में निपुण बनीं। साथ ही सीएसवी अग्रोहा भवन उपलब्ध कराने वाले दानदाताओं एवं परिषद् सदस्यों के सहयोग को भी सराहा। राष्ट्रगान और स्वल्पाहार के साथ समारोह का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन सतीश गोयल एवं पूर्व अध्यक्ष सुशील गट्टानी ने किया।

इनका रहा विशेष योगदान - तीन दिन तक छह सत्रों में आयोजित इस शिविर को सफल बनाने में अशोक अग्रवाल, राजेश जायसवाल, मुकेश डबकरा, मनोज माहेश्वरी, हिम्मत सिंह चंद्रावत, आशीष मित्तल, शिखर जैन, आदित्य मालू, जितेंद्रसिंह शक्तावत, महेश वर्धानी, सुनीश चौरड़िया, रवि पोरवाल, अनिल चौधरी, पिंटू शर्मा सहित मातृशक्ति की हेमा गुप्ता, सुनीता सिंघल, सुनीता मंगल, सरिता पोरवाल, अर्चना गट्टानी, उर्मिला जैन, संगीता गोयल, नीतू मित्तल, माधवी जाधव, माया पोरवाल, अंजना गोयल, टीना दरक और रेखा नायर का सराहनीय योगदान रहा।

नोटों की बारिश का झांसा देकर 5 लाख की ठगी : तांत्रिक बनकर लोगों को डराता था गिरोह, मौत का ड्रामा कर वसूले रुपए

मंदसौर 11 मई (निप्र)। जिले की अफजलपुर थाना पुलिस ने नोटों की बारिश कर धन दोगुना करने का लालच देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले शातिर गिरोह का सोमवार शाम खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि गिरोह के दो अन्य सदस्य अभी फरार हैं। आरोपी खुद को तांत्रिक और गुरुजी बताकर लोगों को झांसे में लेते थे और पूजा-पाठ व चमत्कार के नाम पर रकम ऐंठते थे।

पुलिस के अनुसार, थाना अफजलपुर में 20 अप्रैल 2026 को ग्राम नंदावदा निवासी वर्दीचन्द्र पिता गोपाल किर ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि करीब सात से आठ महीने पहले अमर सिंह नामक व्यक्ति ने उससे संपर्क किया और दावा किया कि एक "गुरुजी" विशेष पूजा कर नोटों की बारिश करवाकर धन दोगुना कर सकते हैं।

एक सदस्य ने "मरने" का नाटक किया - आरोपियों ने फरियादी को अपने जाल में फंसाते हुए ग्राम झावल स्थित खेतों में पूजा करवाई। इस दौरान पूजा और तांत्रिक अनुष्ठान के नाम पर उससे 2 लाख 51 हजार रुपए वसूल लिए

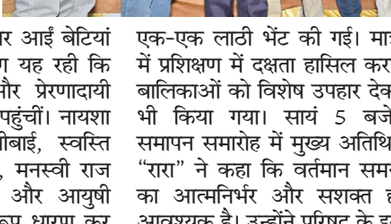

गए। बाद में आरोपियों ने कहा कि पूजा पूरी तरह सफल नहीं हुई है और अब विशेष अनुष्ठान ओंकारेश्वर में करना पड़ेगा।

इसके बाद आरोपी फरियादी और उसकी पत्नी को अलग-अलग कारों में बैठाकर ओंकारेश्वर ले गए। वहां घाट पर दोबारा पूजा करवाई गई और इसी दौरान गिरोह के एक सदस्य ने "मरने" का नाटक किया। आरोपियों ने फरियादी को डराया कि पूजा के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई है और अब मृतक के परिवार को बड़ी रकम देनी पड़ेगी।

5 लाख 20 हजार रुपए और वसूल लिए - डरे-सहमे फरियादी से आरोपियों ने अलग-अलग किश्तों में कुल 5 लाख 20 हजार रुपए और वसूल लिए। कुछ समय बाद जब फरियादी की मुलाकात आरोपी अमर सिंह से हुई तो उसने शराब के नशे में खुलासा कर दिया कि जिस व्यक्ति की मौत बताई गई थी, वह जिंदा है। इसके बाद पूरे फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हुआ । मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और साक्ष्य जुटाकर प्रकरण दर्ज किया। जांच के दौरान "मृत" दिखाया गया व्यक्ति भैरूलाल कनारची निकला, जो पहले भी इसी तरह के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस पूछताछ में पूरे गिरोह के काम करने का तरीका सामने आया।

मंदिर जा रहे बुजुर्ग को कार ने कुचला, मौके पर मौत

बालाजी धाम कॉलोनी में दर्दनाक हादसा, मृतक का बेटा सिटी थाने में आरक्षक

नीमच। बघाना थाना क्षेत्र स्थित बालाजी धाम कॉलोनी में सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मंदिर दर्शन के लिए निकले बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार का पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार मूलतः रतलाम निवासी अंबिका प्रसाद शर्मा (65) इन दिनों अपने बेटे के साथ बालाजी धाम कॉलोनी में रह रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे वे साइकिल से स्टेशन रोड स्थित चोपड़ा गणेश मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। कॉलोनी से बाहर निकलने के दौरान एक कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया । प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर बेहद जोरदार थी। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। कार चालक ने घायल बुजुर्ग को तुरंत अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बघाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। हादसे को लेकर अलग-अलग बातें सामने आ रही हैं। कुछ लोगों का कहना है कि कार चालक वाहन रिवर्स कर रहा था, जबकि अन्य के अनुसार कार सामने से आकर टकराई। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मृतक का बेटा नीमच सिटी थाने में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग में भी शोक की लहर फैल गई।

गऊसेवा दल ने शुरू की पेयजल वाहन सेवा : पहले दिन 25 से अधिक टंकियों में भरा पानी, अब प्यासी नहीं रहेंगे मवेशी

नीमच । नीमच में बढ़ते पारे के कारण इंसानों के साथ-साथ बेजुबान पशुओं के लिए भी पानी का संकट गहराने लगा है। इस समस्या को देखते हुए गौ सेवा समिति नीमच (गऊ सेवा दल) ने अपनी परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष भी 'पेयजल जल वाहन' सेवा का शुभारंभ किया है। अभियान के पहले दिन, गौ सेवकों ने 2000 लीटर क्षमता वाली पानी की टंकी से लैस वाहन के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। टीम ने लगभग 25 से अधिक छोटी-बड़ी पानी की टंकियों को चिन्हित कर उनमें पानी भरा । यह भी उल्लेखनीय है कि लंबे समय से खाली पड़ी इन टंकियों में भारी मात्रा में कचरा जमा था। टीम के सदस्यों ने स्वयं अपने हाथों से इस कचरे को साफ किया, ताकि बेजुबानों को स्वच्छ जल उपलब्ध हो सके। गऊ

सेवा दल के सदस्य मितेश अहीर और पार्थ जोशी ने बताया कि टीम पिछले छह सालों से जन सहयोग के माध्यम से बीमार, घायल और लाचार गौवंश की सेवा कर रही है। बीते वर्ष भीषण गर्मी के दौरान यह अभियान लगातार 84 दिनों तक चलाया गया था। इस वर्ष भी पूरी गर्मी के मौसम में प्रतिदिन शहर के अलग-अलग हिस्सों में पानी की टंकियों को भरने का कार्य जारी रहेगा। इस सेवा कार्य की शुरुआत के दौरान प्रमुख रूप से गौ सेवक मितेश अहीर, पार्थ जोशी, खुश सैनी सहित दल के अन्य सदस्य मौजूद रहे। टीम ने आमजन से भी अपील की है कि वे अपने घरों के बाहर परिंडे लगाएं और प्यासे पशुओं के लिए जल की व्यवस्था में सहयोग करें।

रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा। भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।

शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित

शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।

शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।

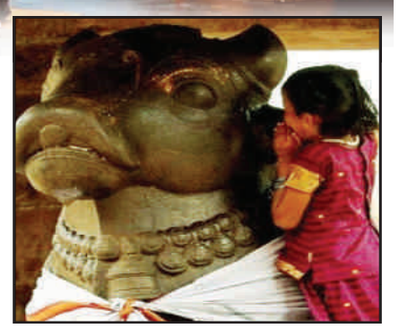

तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।

इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का पौराणिक और साइंटिफिक कारण

शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

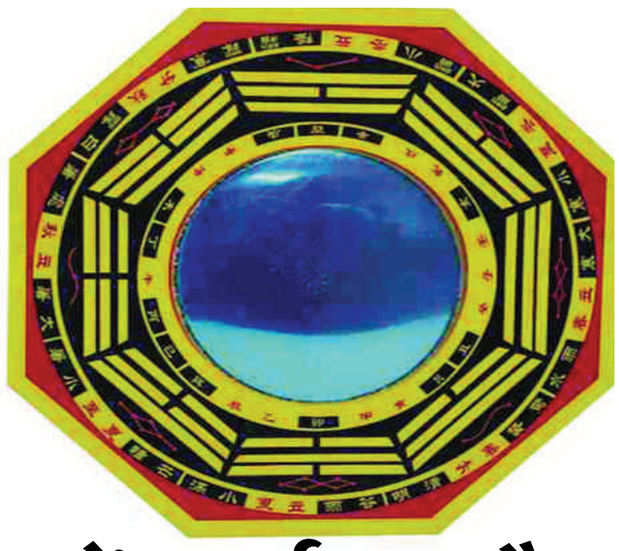

फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।

वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

धनेरियाकलां में युवक का शव फंदे पर लटका मिला, तीन दिन से था लापता

बंद घर का दरवाजा तोड़ते ही सामने आया खौफनाक मंजर, पुलिस जांच में जुटी

नीमच । जिले के बघाना थाना क्षेत्र के ग्राम धनेरियाकला में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 25 वर्षीय युवक का शव उसके ही घर में फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान अमजद पिता रशीद खान के रूप में हुई है, जो पेशे से ड्राइवर था और घर में अकेला रहता था। बताया जा रहा है कि अमजद पिछले तीन दिनों से लापता था और उसके मोबाइल फोन का भी कोई जवाब नहीं मिल रहा था। लगातार संपर्क नहीं होने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई और सोमवार सुबह वे उसके घर पहुंचे। काफी आवाज लगाने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला, तो परिजनों ने गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया। घर के अंदर का नजारा देखकर सभी के होश उड़ गए। अमजद का शव फंदे पर लटका हुआ था और शव की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि मौत करीब दो से तीन दिन पहले हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही बघाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल भिजवाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

आचार्य शांतिसागर संत निलय भवन का लोकार्पण आज

17 माह 20 दिन में तैयार भवन, भव्य रथयात्रा निकली, समाजजन हुए शामिल

नीमच (निप्र)। आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं सुमित सागर महाराज के मार्गदर्शन में मुनि वैराग्य सागर महाराज व मुनि सुप्रभ सागर महाराज के सानिध्य में पुस्तक बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर के समीप निर्मित आचार्य शांतिसागर संत निलय भवन का लोकार्पण समारोह 13 मई को होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 12 मई मंगलवार सुबह 6.30 बजे अभिषेक व शांतिधारा से होगा। दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष विजय विनायका और मीडिया प्रभारी अमन विनायका ने बताया कि आचार्य शांतिसागर महाराज के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भवन का निर्माण मात्र 17 माह 20 दिन में किया गया। तीन मंजिला भवन में सात कक्ष, सभागार, स्वचालित लिफ्ट, झरोखे व लाल पत्थर की आकर्षक नक्काशी की गई है। मंगलवार सुबह 7 बजे दिगंबर जैन समाज मंदिर से भव्य रथयात्रा निकलेगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होकर मांगलिक भवन पहुंचेगी। रथयात्रा धार्मिक व सामाजिक सम्मान समारोह में परिवर्तित होगी। विभिन्न धर्म लाभार्थी परिवार सौधर्म इंद्र के परिधानों में 16 बग्गियों में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रवचन, आहारचर्या, स्वाध्याय, गुरु भक्ति, महाआरती और सांस्कृतिक आयोजन होंगे। 15 मई तक चलने वाले समारोह में मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात सहित देश-विदेश से समाजजनों के आने की सूचना है। विधानाचार्य पारस जैन इंदौर और संगीतकार आयुष जैन बूंदी भी शामिल होंगे।

मानसून 4-6 दिन पहले आने का अनुमान

नई दिल्ली । देश में मानसून तय समय से 4 दिन पहले दस्तक दे सकता है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून तक पहुंचता है, लेकिन इस बार 25 से 27 मई के बीच केरल तट पर पहुंचने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में एक सिस्टम बन गया है, जो अगले 48 घंटे में और मजबूत हो सकता है। इससे दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश बढ़ेगी। यह सिस्टम मानसून को तेजी से आगे बढ़ा रहा है । यूपी-बिहार समेत 5 राज्यों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। बिहार और उत्तराखंड के सभी जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में बारिश की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में आंधी-तूफान और बारिश से 5 घरों और 7 गोशालाओं की छतें उड़ गईं। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। देश में सोमवार को राजस्थान का बाड़मेर सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 47.3C दर्ज किया गया। जैसलमेर में 46.5C, फलोदी में 45.6C और बीकानेर में 45.3C तापमान रहा। मध्य प्रदेश के रतलाम में पारा 45C के पार रहा।

कृषि गोदाम और वाहनों से हो रही उपज चोरी

व्यापारी ने पुलिस से सुरक्षा और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की

नीमच। जिले के डूंगलावदा क्षेत्र में स्थित एक कृषि गोदाम और उपज से भरे वाहनों से लगातार चोरी होने का मामला सामने आया है। कृषि उपज मंडी से जुड़े व्यापारी सचिन माहेश्वरी ने पुलिस को आवेदन देकर कुछ लोगों पर कृषि उपज चोरी करने तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।

जानकारी के अनुसार विकास नगर निवासी सचिन माहेश्वरी का डूंगलावदा क्षेत्र में कृषि जिंस भंडारण गोदाम संचालित है। व्यापारी ने आवेदन में बताया कि पूर्व में भी उनके गोदाम और उपज से भरे वाहनों से सोयाबीन सहित अन्य कृषि उपज चोरी हो चुकी है। हाल ही में दोबारा संदिग्ध गतिविधियां सामने आने के बाद उन्होंने कुछ लोगों पर चोरी में शामिल होने की आशंका जताई है । व्यापारी के अनुसार उनके ड्राइवर विक्रय नायक ने कुछ लोगों को वाहन से कट्टे उतारते हुए देखा था। इसके बाद 1 मई 2026 को फिर वाहन से छह कट्टे उतारने की घटना सामने आई। आरोप है कि आरोपी तीन कट्टे मौके पर छोड़कर फरार हो गए, जबकि तीन कट्टे चोरी कर ले गए। सचिन माहेश्वरी का कहना है कि जब उन्होंने इस संबंध में आरोपियों से चर्चा की तो उन्हें और कर्मचारियों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। आवेदन में गोदाम को नुकसान पहुंचाने की आशंका भी जताई गई है। पीड़ित व्यापारी ने पुलिस प्रशासन से चोरी गए माल की बरामदगी, आरोपियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई तथा गोदाम और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

बदनाम कर लो, गलत काम पर साइन नहीं करूंगी -स्वाति चौपड़ा

नीमच। अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर सोमवार को दीनदयाल वाटिका, इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक-9 में जल मंदिर लोकार्पण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवियों के साथ कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष स्वाति चोपड़ा संवेदनशील नजर आईं। उन्होंने कहा कि आज ईमानदारी से काम करना आसान नहीं रह गया है। कुछ लोग निजी स्वार्थ पूरे नहीं होने पर दबाव बनाते हैं और बदनाम करने की धमकी देते हैं, लेकिन वे किसी भी गलत काम पर हस्ताक्षर नहीं करेंगी । उन्होंने कहा, "जब कोई झूठे आरोप लगाता है तो मन में बहुत पीड़ा होती है। समझ नहीं आता कि लोग बिना सच्चाई जाने इतना गलत कैसे बोल देते हैं। लेकिन जब मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार आलोचनाओं और गालियों के बीच भी देशहित में काम करते देखती हूं, तो मुझे प्रेरणा मिलती है कि हमें अच्छे कर्म करते रहना चाहिए।" अपने संबोधन में उन्होंने भगवद गीता का उल्लेख करते हुए कहा कि गीता इंसान को कर्म करते रहने और फल की चिंता न करने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भगवान हर व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देते हैं और उनकी नीयत साफ है। नपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कुछ लोग प्लॉट और जमीन से जुड़े मामलों में अनुचित लाभ लेने का दबाव बनाते हैं। उन्होंने कहा, "कहा जाता है कि यहां साइन कर दो, यह जमीन हमें दे दो। जब मैं मना करती हूं तो कहते हैं कि आपको बदनाम कर देंगे। मैंने भी कह दिया कि जितना बदनाम करना है कर लो, आधा पेज छापते हो तो पूरा पेज छाप लो, लेकिन मैं गलत चीज पर साइन नहीं करूंगी।" उन्होंने कहा कि एक बेटी, बहन, पत्नी और मां के रूप में महिलाओं पर दो परिवारों के संस्कारों की जिम्मेदारी होती है और संस्कार ही गलत के खिलाफ खड़े होना सिखाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में उन्होंने जनता के समर्थन को अपनी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि जनशक्ति के आशीर्वाद से विकास कार्य लगातार आगे बढ़ते रहेंगे। साथ ही उन्होंने पौधारोपण अभियान एवं उज्जैन संभाग स्तर पर मिले प्रस्तावों का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संरक्षण और विकास को साथ लेकर चलने की बात कही। इस अवसर पर अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन नगर नीमच के अध्यक्ष विश्वास मंडवारिया सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे ।

मेंटेनेंस के नाम पर कटौती, फिर भी धधक रहे ट्रांसफार्मर

जैन भवन और बीएसएनएल कार्यालय के पास ट्रांसफार्मर में लगी आग
लोग बोले - घंटों की कटौती के बाद भी नहीं सुधर रही व्यवस्था

नीमच। शहर में बिजली विभाग द्वारा आए दिन "मेंटेनेंस" के नाम पर 3 से 4 घंटे तक बिजली कटौती की जा रही है। विभाग पहले से सूचना जारी कर उपभोक्ताओं को असुविधा सहने की अपील करता है, लेकिन लगातार सामने आ रही ट्रांसफार्मर आगजनी की घटनाओं ने इस पूरे मेंटेनेंस सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीते दिनों राजस्व कॉलोनी रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय के पास लगे ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग लग गई थी। घटना के दौरान क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। वहीं सोमवार शाम जैन भवन के सामने स्थित डीपी में भी अचानक तेज धमाके के साथ आग भड़क उठी। उस समय सड़क पर आवागमन जारी था और अचानक ट्रांसफार्मर से चिंगारियां निकलने लगीं, जिससे मौके पर मौजूद लोग दहशत में आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही क्षणों में आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलते ही नगर पालिका की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। बिजली विभाग इन घटनाओं को "शॉर्ट सर्किट" और "ओवरलोड" का परिणाम बता रहा है, लेकिन शहरवासियों का कहना है कि यदि नियमित और प्रभावी मेंटेनेंस वास्तव में किया जा रहा होता, तो बार-बार इस तरह ट्रांसफार्मरों में आग लगने की घटनाएं सामने नहीं आतीं। लोगों का आरोप है कि विभाग केवल बिजली कटौती कर औपचारिकताएं पूरी कर रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर उपकरणों की सही जांच और सुधार नहीं हो रहा। शहर में लगातार हो रही बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर फेल होने की घटनाओं से आमजन परेशान हैं। नागरिकों ने मांग की है कि बिजली विभाग मेंटेनेंस कार्यों की पारदर्शी जांच कराए और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की जवाबदेही तय करे, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

डिग्री लेने में जरूरतमंदों की मदद करेगी सरकार

भोपाल। 12वीं के बाद उच्च शिक्षा में आर्थिक अड़चन कई विद्यार्थियों के सामने बड़ी चुनौती बनती है, लेकिन प्रदेश में जरूरतमंदों और मेधावियों को सरकार डिग्री लेने में मदद कर रही है। उच्च व तकनीकी शिक्षा विभाग की कुछ योजनाएं ऐसी हैं, जिनके जरिए पात्र विद्यार्थियों के शुल्क का बड़ा हिस्सा सरकार वहन करती है। उन्हें प्रोत्साहन राशि मिलती है। इन योजनाओं की शर्तें, दायरा और आवेदन प्रक्रिया जानना विद्यार्थियों के लिए जरूरी है, ताकि वे समय रहते लाभ ले सकें। उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के साथ आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू हो रही है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।